D El Ed 2nd sem

11/05/2020
Monday

प्रकृतिवाद → 'यूरोप की देन'

प्रमुख शिक्षाशास्त्री — रूसो, लैमार्क, हक्सले, बेकन, डार्विन, स्पेन्सर।

प्रकृतिवाद का अर्थ → सबसे प्रेम करना, मानव प्रकृति में पूर्ण विश्वास, न्याय

→ की सदा कामना करना।

→ सन्तोष के साथ काम करना।

→ दूसरों का आदर करना।

प्रकृतिवाद के मुख्य सिद्धान्त

→ प्रत्येक वस्तु प्रकृति से उत्पन्न, प्रकृति में विलीन।

→ ज्ञान और सत्य का आधार 'इन्द्रियों' का अनुभव।

→ संसार एक बड़ी मशीन।

समस्त ज्ञान का आधार जन्मजात प्रवृत्तियाँ एवं इन्द्रियाँ हैं।

प्रकृतिवाद और शिक्षा के उद्देश्य

1 → सुख की सुरक्षा का उद्देश्य।

2 → वातावरण से अनुकूलन की क्षमता।

3 → जीवन को संघर्ष योग्य बनाना।

4 → वैयक्तिकता का स्वतन्त्र विकास।

5 → मूल प्रवृत्तियों का शोधन तथा मार्गान्तीकरण।

प्रकृतिवाद तथा शिक्षण विधि

→ प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा सीखना।

→ करके सीखना।

→ खेल द्वारा सीखना।

→ स्वानुभव द्वारा सीखना।

प्रकृतिवाद और पाठ्यक्रम

→ व्यक्तिगत विभिन्नताओं का महत्व।

→ मूल प्रवृत्तियों, क्षमताओं, रुचियों का महत्व।

→ धार्मिक शिक्षा को स्थान न देना।

→ यौन शिक्षा का महत्व।

→ जीवन रक्षा सम्बन्धी विषयों की प्रधानता।

प्रकृतिवाद और शिक्षक

→ शिक्षक का महत्व कम होना।

→ शिक्षक, मित्र और सहायक के रूप में।

→ प्राकृतिक पर्यावरण के निर्माण रूप में शिक्षक का महत्व।

Scanned with CamScanner

Philosophy of Education

प्रकृतिवाद और अनुशासन

रूसो — "शिशु के बाल्यकाल में अनुशासन केवल नैसर्गिक प्रेरणाओं के माध्यम से ही लागू करना।

स्पेन्सर — "व्यक्ति का सम्पूर्ण जीवन का नैसर्गिक परिणाम आधार।

प्रकृतिवाद और विद्यालय

" पाठशाला इस ढंग की होनी चाहिए, जिसमें बालक को एक आदर्श उपलब्ध हो सके।"

प्रकृतिवाद के गुण

=> ~~बालक की स्वतन्त्रता।~~
=> बालक की प्रधानता।
=> पुस्तकीय ज्ञान का विरोध।
=> मनोवैज्ञानिक तथ्यों का महत्व।
=> प्रकृति का महत्व।
=> शारीरिक एवं मानसिक विकास का साधन।

प्रकृतिवाद के दोष

=> पुस्तकीय ज्ञान का विरोध।
=> अध्यापक का स्थान गौण।
=> नैसर्गिक प्रवृत्तियाँ ही सर्वश्रेष्ठ।
=> शाश्वत मूल्यों की प्राप्ति शिक्षा का उद्देश्य।
=> प्रभावात्मक अनुशासन के बालक को सुधारना असम्भव।

-end